पढ़ो और रंग भरो

सैर

चित्र वाग्मी राघव

एकलव्य

मूल्य: ₹ 12.00

एक दिन एक छाता,

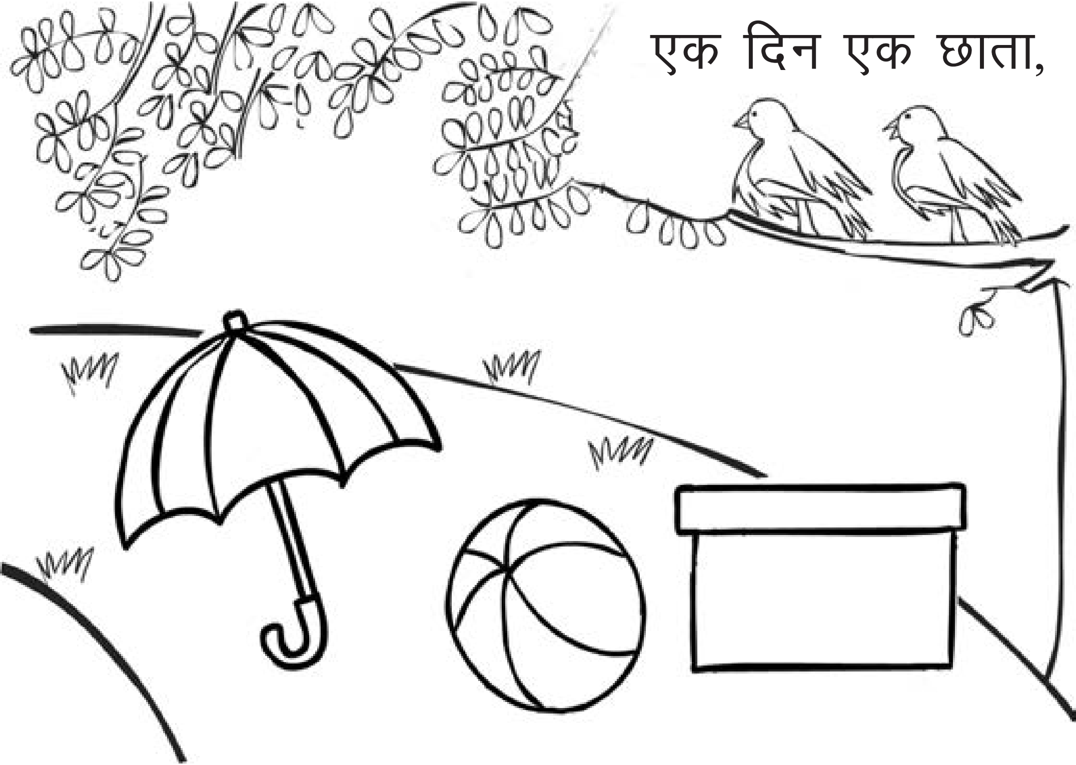

एक गेंद और एक डिब्बा
घूमने निकले।

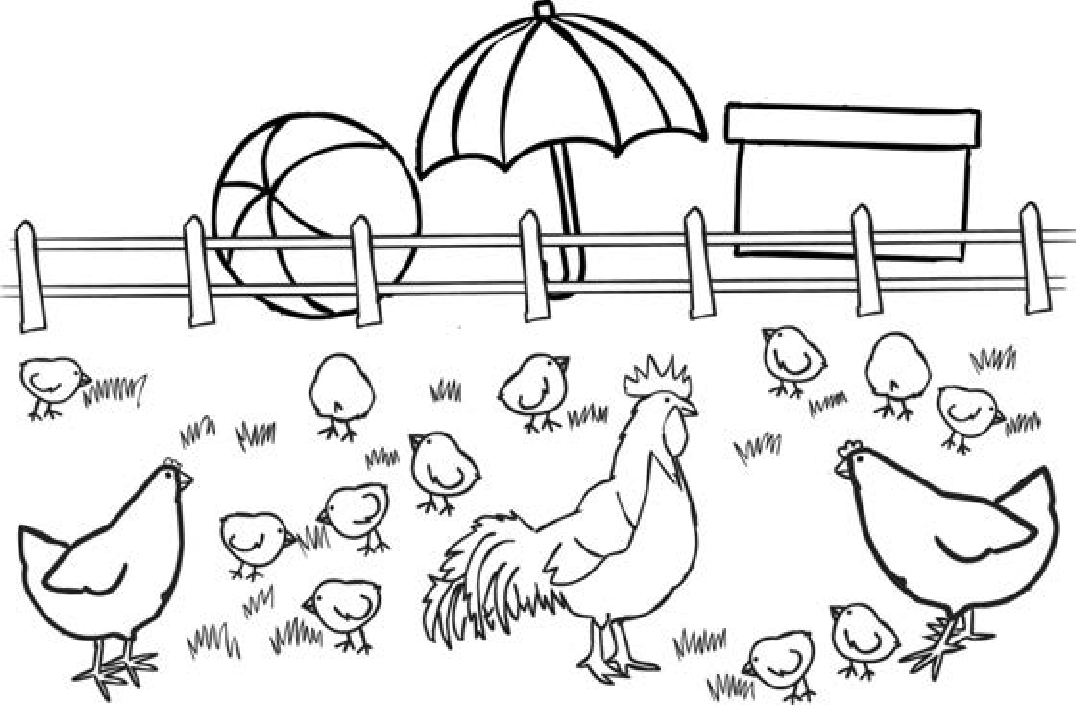

रास्ते में बारिश आई तो छाते ने सबको ढक लिया।

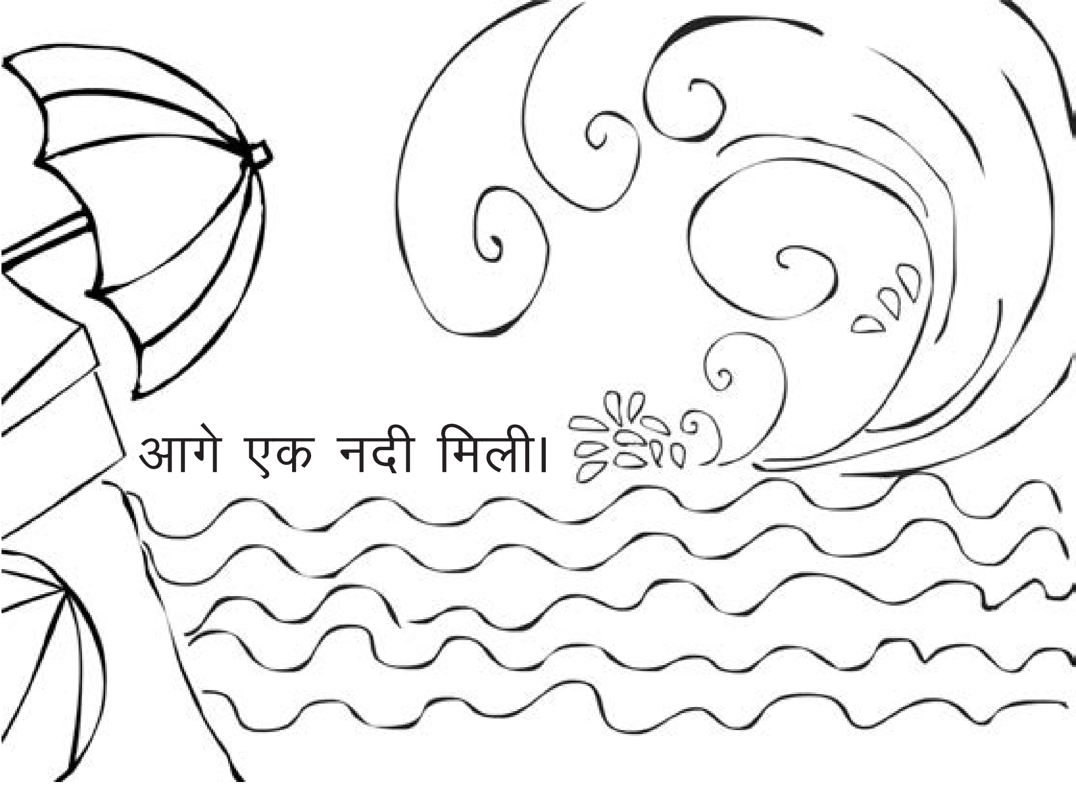

आगे एक नदी मिली।

छाता और डिब्बा
गेंद के ऊपर
बैठकर दूसरी
ओर गए।

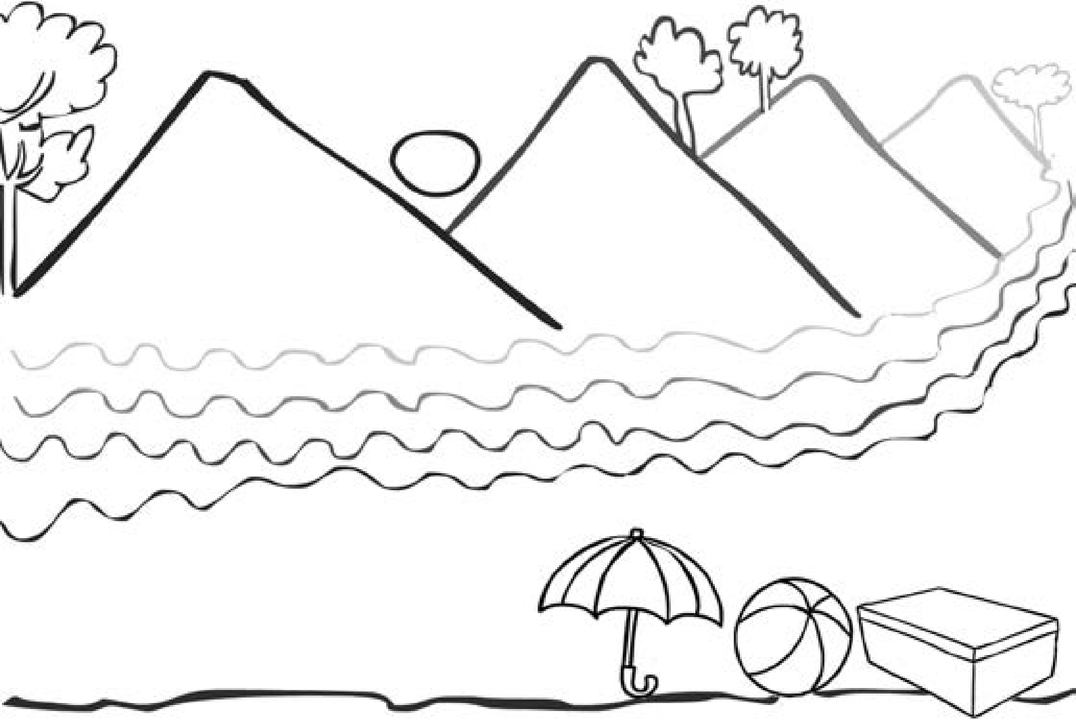

रात हो गई।

जानवरों के
डर से छाता और गेंद
डिब्बे के अन्दर सो गए।

अगले दिन वे फिर से आगे बढ़े।

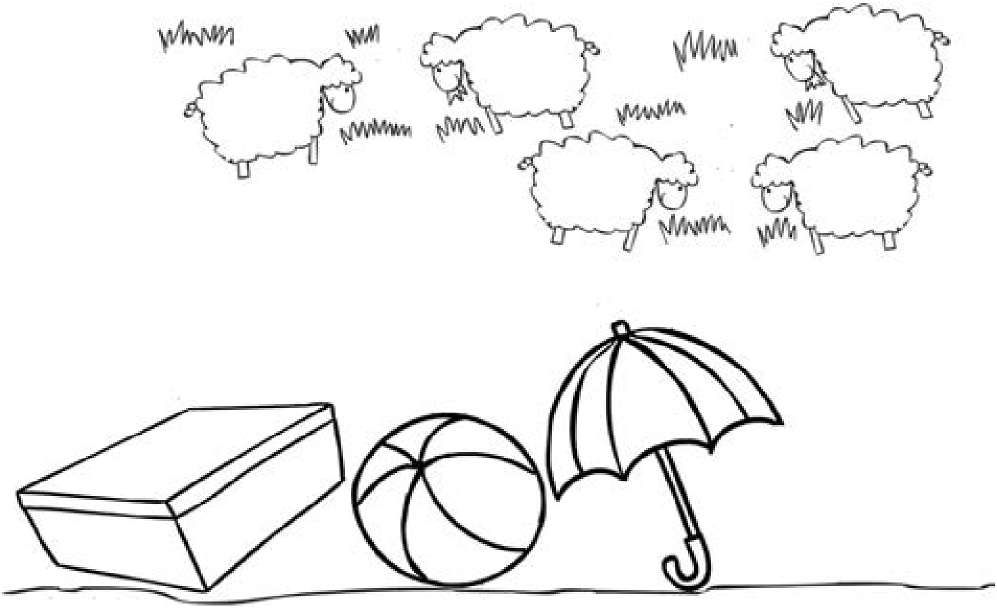

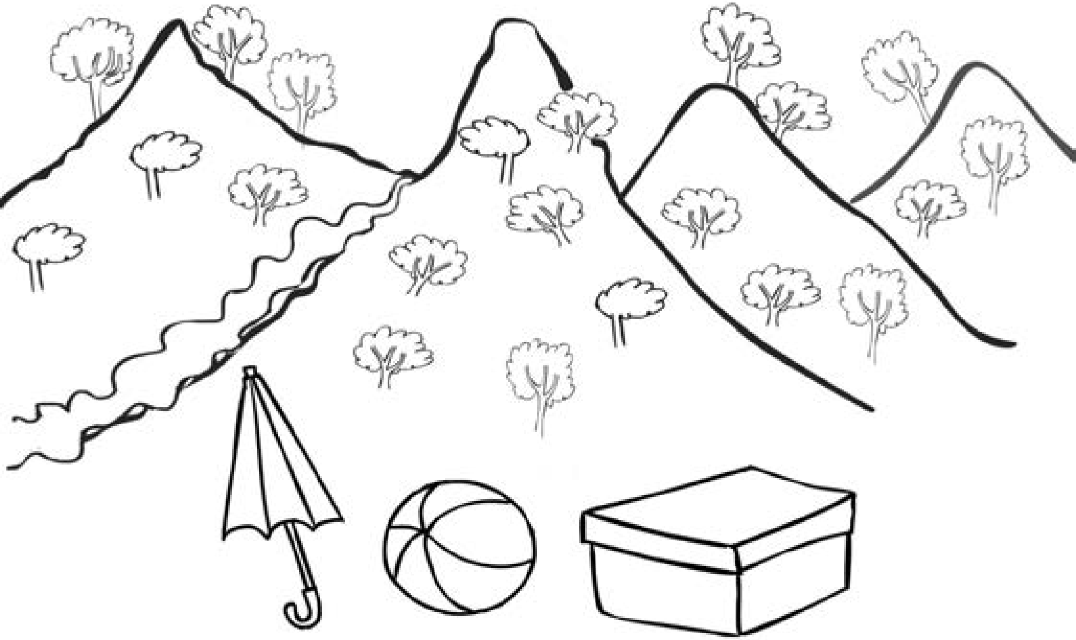

तीनों चलते-चलते एक ऊँचे पहाड़ पर चढ़ गए।

गेंद बोली – बहुत
ज़ोर से प्यास
लगी है।
डिब्बा और छाता
बोले – पर नीचे
कैसे जाओगी?

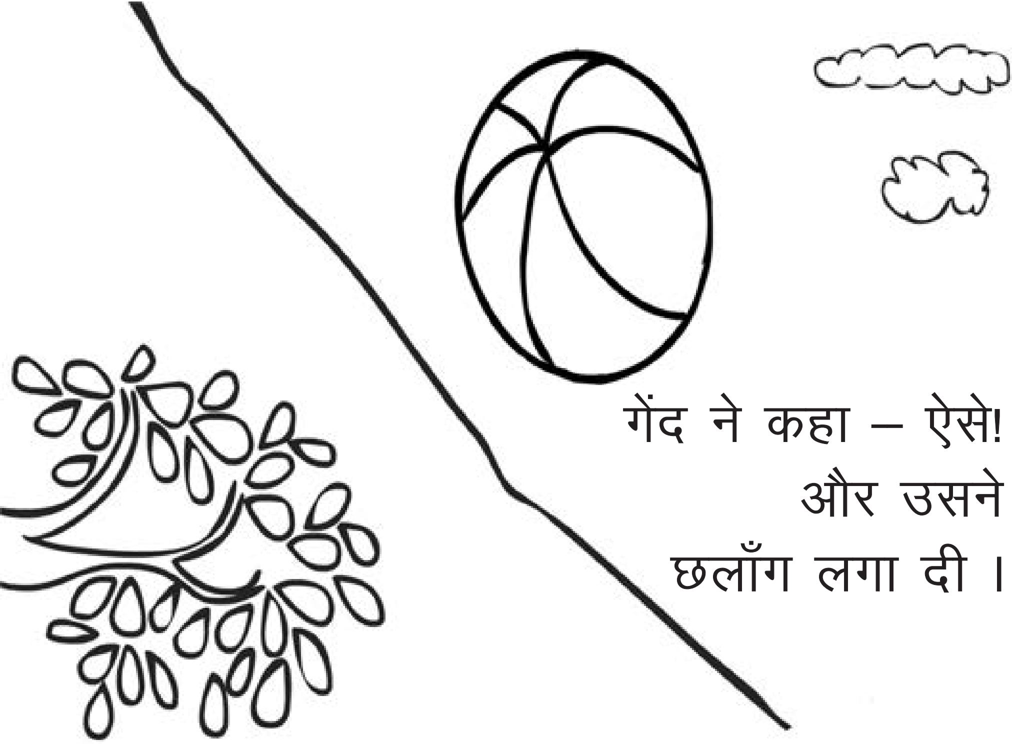

गेंद ने कहा – ऐसे!
और उसने
छलाँग लगा दी ।

उसके पीछे छाता दौड़ा
और छाते के पीछे डिब्बा।

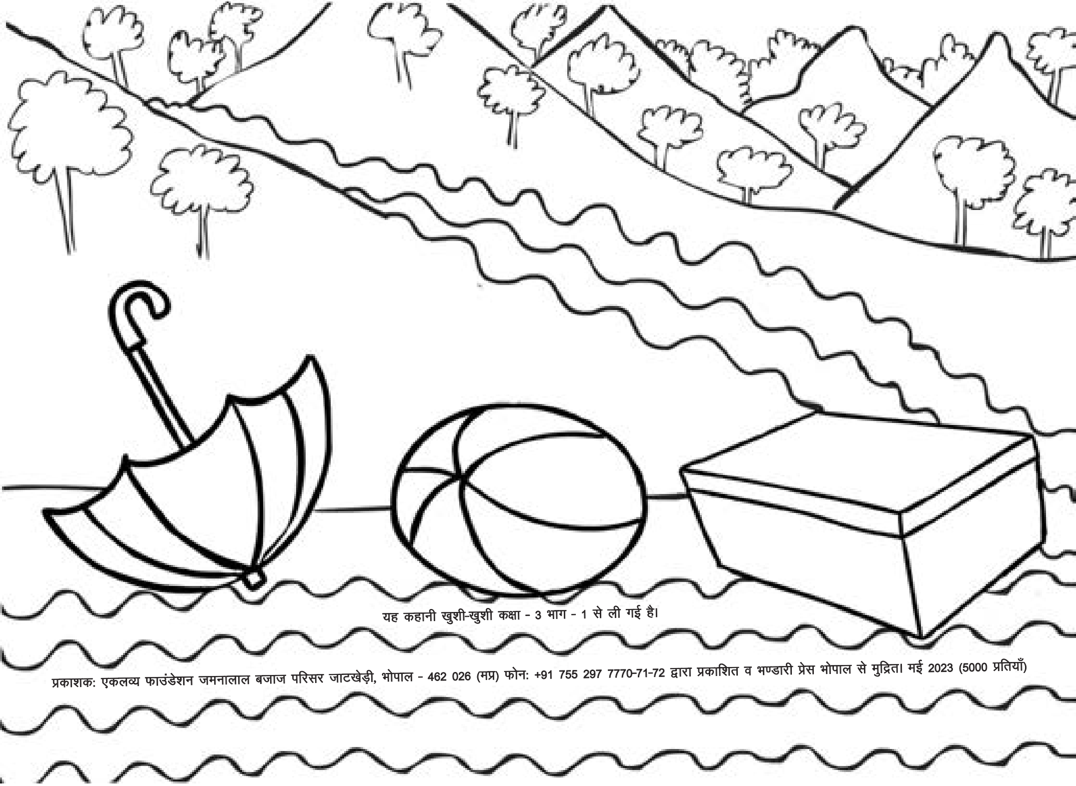

यह कहानी खुशी-खुशी कक्षा - 3 भाग - 1 से ली गई है।

प्रकाशक: एकलव्य फाउंडेशन जमनालाल बजाज परिसर जाटखेड़ी, भोपाल - 462 026 (मप्र) फोन: +91 755 297 7770-71-72 द्वारा प्रकाशित व भण्डारी प्रेस भोपाल से मुद्रित। मई 2023 (5000 प्रतियाँ)